

मंजिल स्त्री. (अर.) 1. उतरने या ठहरने या पहुँचने की जगह, गंतव्य, लक्ष्य, पड़ाव, मुकाम 2. एक दिन या किसी एक अवधि का सफर 3. मकान, 4. मकान का तल्ला या दरजा या छत या खंड।

मंजिष्ठा स्त्री. (तत्.) मजीठ नामक औषधोपयोगी लता या उसका फल।

मंजीर पुं. (तत्.) 1. नुपुर, घुँघरू; पैर या कमर का एक आभूषण 2. मथानी का डंडा बाँधने का खंभा, रुई की रस्सी लपेटने का स्थान 3. काव्य में एक छंद 4. एक जाति।

मंजु वि. (तत्.) सुंदर, मनोहर, प्रिय, मधुर, सुखद, रुचिकर, आकर्षक।

मंजुघोष पुं. (तत्.) 1. अच्छे स्वर वाला व्यक्ति, मधुर वाणि वाला व्यक्ति, मनोहर बोलने वाला 2. प्राचीन काल के एक बौद्ध आचार्य।

मंजुतिलका स्त्री. (तत्.) काव्य. एक मात्रिक छंद।

मंजुभाषिणी स्त्री. (तत्.) दे. मंजुभाषी।

मंजुभाषी वि. (तत्.) मधुर बोलने वाला, कर्णप्रिय वचन वाला, मीठे स्वर वाला, मधुरभाषी।

मंजुमालिनी वि. (तत्.) सुंदर माला धारण करने वाला स्त्री. काव्य में छंद विशेष।

मंजुल वि. (तत्.) 1. सुंदर, मनोहर 2. सुरीला कंठ/स्वर, प्रिय, रुचिकर पुं 1. कुंज 2. जल का स्रोत/स्रोता या सोता 3. कूप, कुआँ 4. नदी या जलाशयका पाट 5. जल कुक्कुट, जल का मुर्गा।

मंजुश्री स्त्री. (तत्.) मधुर स्वर वाली महिला, कर्णप्रिय वचन बोलने वाली, मंजुघोष।

मंजूर वि. (अर.) 1. स्वीकृत 2. जो देखा गया हो 3. पसंद किया हुआ हो।

मंजूरी स्त्री. (अर.) स्वीकृति, मंजूर होना।

मंजूषा स्त्री. (तत्.) 1. छोटा पिटारा या डिब्बा अथवा संदूकची, पिटारी, सामान रखने की पेटी 2. हाथी का हौदा 3. पक्षियों का पिंजड़ा 4. वर्तमान में कभी-कभी वह चोंगा या तश्तरी आदि

जिसमें रखकर अभिनंदन पत्र आदि भेंट किए जाते हैं 5. मजीठ; पत्थर।

मंझा वि. (देश.) 1. बीच का 2. अटेरन की बीच की लकड़ी 3. चरखे का मुँडला 4. मंच, पलंग, चौकी, बैठने की पिढिया, पटला, खाट पुं. पतंग उड़ाने का काँच का चूर्ण लगा तागा या डोर, माँझा।

मंडन पुं. (तत्.) 1. शृंगार करना, अलंकृत करना, सजाना, काव्य में सखियों आदि का नायिका को गहने-कपड़े पहनाकर और चोटी आदि करके सजाना, जिससे किसी की शोभा या सुंदरता बढ़े 2. प्रमाण देकर कोई बात सिद्ध करना, 'खंडन' के प्रतिकूल उत्तर या तर्क प्रस्तुत करना।

मंडप पुं. (तत्.) 1. किसी विवाह, समारोह अथवा किसी उत्सव या मंगल कार्य के लिए बाँस, फूस, कपड़े, फूलों, पत्तों आदि से छाकर या ढक्कर बनाया हुआ स्थान 2. लता कुंज, लतागृह, लता मंडप 3. चँदोवा, शामियाना, तंबू, मंच 4. देव मंदिर के ऊपर की गोल बनावट और उसके नीचे का स्थान, किसी देवता को अर्पित स्थान।

मंडपर्णता वि. (तत्.) कुछ विशेष रासायनिक तत्वों से युक्त पत्तों वाला वृक्ष।

मंडल पुं. (तत्.) 1. परिधि, गोल आकृति, गोल रचना या वस्तु, चक्कर, घेरा, दायरा, चक के आकार का अर्थात् गोल विस्तार या कोई घिरा हुआ क्षेत्र जैसे- वृत्त, अंचल, चारों दिशाओं का घेरा, क्षितिज 2. सूर्य या चंद्रमा के चारों ओर दिखाई पड़ने वाला घेरा, परिवेश, ग्रहों का गति पथ परिधि अथवा बिंब 3. ऋग्वेद का कोई खंड 4. प्रांत आदि का वह विभाग या अंश जो एक विशेष अधिकारी के अधीन हो, जिला, राज्यों का समूह 5. एक ही प्रकार के अथवा समान आदतों के या किसी विशेष दृष्टि से साथ रहने वाले लोगों का समाज या समुदाय अथवा झुंड या गुट 6. कुत्ता 7. एक प्रकार का साँप।